Tirupati Balaji Group / Established 2009 / Ghaziabad
R.N.I No. UPBIL/2009/28691, DAVP Code: 101473

Page 8 / Price Rs. 2.00 / Ghaziabad, Sunday, 10 May 2020
Postal Registration No. UP/GBZ-80/2016-18

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Vol./Year-11 Issue - 49

Hindi / English (Bi-Lingual) Weekly Ghaziabad
केन्द्र एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

www.tbcgzb.com

News of the Week

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के इलाज खोजने के प्रयास काफी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में थोड़ी राहत वाली खबर अमेरिका से आ रही है। यहां की एक कंपनी ने दावा किया है कि कोरोना का टीका बनाने के उसके प्रयासों के शुरुआती नतीजे काफी उत्साहजनक हैं।

Inside Ghaziabad

पेज नंबर 2
ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं घर बैठे बनाएंगी स्कूल की ड्रेस

पेज नंबर 7
HC rejects Yadav Singh's plea for release from...

TIRUPATIEYE

हेल्प लाइन नंबर

विदेश से यात्र कर लौटने वाले व्यक्ति की सूचना दें
0120–4186453

मास्क और सैनिटाइजर कालाबाजारी की सूचना दें
0120–2829040

जरूरी सामान की दुकान बंद कराए या मीडियाकर्मी को रोके तो सूचना दें
9454403434

कोरोना वायरस के सैंपल लेने के लिए जिला एमएमजी अस्पताल स्थित कंट्रोल रूम का नंबर
07011477836

संयुक्त जिला अस्पताल में स्थापित कंट्रोल रूम
0120–2783098

जिले में अब तक हुई 1870 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद

गाजियाबाद : जिले में दिनांक 17 मई तक कुल 1870:45 मैट्रिक टन गेंहू की खरीद की जा चुकी है। अब तक 624 किसानों ने क्रय केंद्रों पर गेंहू बेचा है। इसके सापेक्ष किसानों को 294:93 लाख का भुगतान किया जा चुका है। जो कि कुल भुगतान का 81:91 प्रतिशत बताया जा रहा है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी रोली सिंह ने बताया कि जनपद में अब तक कुल 832 कृषकों ने पंजीकरण कराया था। जिनके सापेक्ष अब तक कुल 624 किसानों से सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए गेंहू खरीद की जा चुकी है। किसानों से अपील की गई है कि वे गेंहू विक्रय के समय अपने साथ खतौनी की कापी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक आदि क्रय केंद्रों पर लेकर आए। जिससे उन्हें किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

जिले में लगातार बढ़ रहे कोरोना पॉजिटिव केस, संख्या हुई 172

गाजियाबाद में अभी तक 5251 लोगों के सैंपल लिए गए, 568 लोगों की रिपोर्ट आनी बाकी

गाजियाबाद : जनपद गाजियाबाद में कोरोना से पीड़ित मरीजों की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी होती जा रही है। जनपद में अब कुल 172 लोग कोरोना पॉजिटिव पाये गये है। शुक्रवार तक 24 घंटे के भीतर 100 मरीजों के सैंपल लिए गए जिनमें 3 कोरोना पॉजिटिव मिले हैं और प्राप्त हुई रिपोर्ट के मुताबिक 99 कोरोना नेगेटिव मिले हैं और शेष की रिपोर्ट आनी बाकी है। बता दें कि जनपद गाजियाबाद में अभी तक 5251 लोगों के सैंपल लिए गए हैं जिनमें से 4683 लोगों की रिपोर्ट आई है जबकि 568 रिपोर्ट आनी बाकी है। कुल पॉजिटिव मरीजों की संख्या में शुक्रवार 15 मई तक 172 हो गई है। 106 मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है और वर्तमान में 64 मरीज एक्टिव हैं

जिनका इलाज चल रहा है। जनपद गाजियाबाद में कुल हॉट स्पॉट 16 हैं और यह हॉट स्पॉट रेड जोन के अंतर्गत आते हैं। इसके अलावा 4 स्पॉट ओरेंज जोन भी हैं। शुक्रवार को 3 कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने इस ओर गंभीर कदम उठाने शुरू कर दिए है। वहीं एसआरएम विवि कैंपस में हेल्थ विभाग द्वारा 17 जमातियों को क्वारंटाइम किया हुआ था। बुधवार को सभी जमातियों के स्वास्थ्य की जांच के बाद उन्हें यहां से उनके घर भेज दिया गया है। गोविंदपुरी स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी सीएचसी प्रभारी ने बताया कि 17 जमातियों को एसआरएम विव में बनाये गये क्वारंटाइम सेंटर पर रखा हुआ था। उनके स्वास्थ्य होने पर बुधवार को सभी जमातियों को उनके घरों के लिए रवाना कर दिया गया। अब उस सेंटर पर केवल एक मरीज रह गया है। जिसे जल्दी ही घर भेज दिया जाएगा।

देश में अब तक हो चुकी है 2649 लोगों की मौत

देश में कोरोना वायरस संक्रमण से पिछले 24 घंटे में 100 लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 2649 तक पहुंच गई है। वहीं बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे से संक्रमण के 3967 नए मामले सामने आए है। जिसके बाद शुक्रवार को कुल संक्रमितों की संख्या 81,970 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में 51401 लोगों का उपचार चल रहा है जबकि अब तक 27919 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और एक मरीज देश से बाहर जा चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अब तक 34.06 प्रतिशत मरीज स्वस्थ हो चुके है। संक्रमित लोगों में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे से 100 लोगों की मौत हुई है।

घरों को लौट रहे प्रवासियों को वहीं रोजगार देगी सरकार

गाजियाबाद : कोरोना संकट के चलते प्रवासी श्रमिकों के लौटने का सिलसिला जारी है। लॉकडाउन–3 के बीच ही सरकार ने प्रवासियों को उनके गृह जनपद व राज्यों को लौटाने के लिए रास्ते खोल दिए। सरकार की मंशा है कि जो श्रमिक जहां रहे वहीं उसे रोजगार उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए नीति तैयार की गई है, जिसमें मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना समेत चार योजना शामिल हैं। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए सरकार ने देश भर में लॉकडाउन लागू किया। लॉकडाउन के दो चरणों में सख्ती के बाद सरकार की ओर से तीन मई को लागू लॉकडाउन–3 में औद्योगिक व निर्माण इकाईयों को खोलने की सशर्त मंजूरी दी गई। इसी के साथ ही पिछले करीब पौने दो माह से लॉकडाउन के चलते कामकाज न होने के कारण यहां फंसे प्रवासियों ने अपने घरों को पैदल ही लौटना शुरू कर दिया। घरों को साइकिल, रिक्शा, रेहड़ी व बैलगाड़ी से लौटते समय बहुत से प्रवासी सड़क हादसों में मौत का शिकार हुए। इस बीच प्रदेश सरकार ने पैदल लौट रहे प्रवासियों के लिए जहां बसों की व्यवस्था की। वहीं, केंद्र सरकार ने विशेष ट्रेन चलाना शुरू किया। घरों को लौट रहे प्रवासियों के लिए प्रदेश सरकार ने घरों में रहकर ही रोजगार मुहैया कराने की नीति तैयार की है, जिसमें जो जहां रहेगा उसे वहीं रोजगार मिलेगा।

348 workers sent back to Rajasthan

NOIDA: It was a reunion 14 years in the making, aided by the lockdown. Sarvesh Sharma had left his nondescript village of Beenpur Kalan in Kasganj in search of better prospects. There was a bigger world out there and that was where he wanted to be. He was 16 then, he is 30 now. While he took up odd jobs across cities — in Delhi, in Mumbai, in a tea shop at Neemuch in Madhya Pradesh — his father, Rakesh Kumar, was diagnosed with asthma, his brothers Gresh and Shiv Shankar died before they crossed their teens and his three sisters got married. Sarvesh, who went by Monu, did not know. But as the Covid-hit world and its opportunities shrunk, Monu made his way home, via many a detour. The story of his journey back home begins with the lockdown. Monu managed to reach Yamuna Expressway from Delhi, like scores of migrant workers. He was taken to Sanskar Guest House, a quarantine facility in Jewar tehsil for migrant workers. He was among 70 people there. After 40 days in quarantine, 58 of them left for their towns and villages. Monu stayed put. "He does not talk a lot, keeps to himself. He would rarely respond to our questions. As part of procedure, we take a copy of the Aadhaar cards of those in quarantine.

ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं घर बैठे बनाएंगी स्कूल की ड्रेस

गाजियाबाद : कोरोना काल में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए रोजगार की व्यवस्था की गई है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को 94 हजार जोड़ी स्कूल की यूनिफॉर्म बनाने का आर्डर दिया गया है। महिलाएं अपने घरों में ही यूनिफॉर्म की सिलाई करेंगी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत हर वित्तीय वर्ष में स्वरोजागर के लिए स्वयं सहायता समूह बनाए जाते हैं। महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम विकास विभाग की ओर विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान में 886 समूह संचालित हैं। प्रत्येक समूह में दस महिलाएं हैं। विभाग ने पहली बार वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिए 2540 महिलाओं स्वरोजगार प्रशिक्षण दिलाने लक्ष्य को पूरा किया था। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए महिलाओं को ड्राइविंग भी सिखाई गई थी। लॉकडाउन के कारण समूहों को काम मिलना बंद हो गया था। अब फिर से महिलाओं को काम मिलना शुरू हो गया है। मुख्य विकास अधिकारी अस्मिता लाल ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को यूनिफॉर्म बनवाने का ऑर्डर दिया है। पिछले सत्र में इन्हीं महिलाओं से यूनिफॉर्म बनवाई गई थी। उस समय महिलाओं ने 200 रुपये प्रति यूनिफॉर्म की सिलाई की थी। इस बार पैसों में इजाफा किया गया है। एक बच्चे की यूनिफॉर्म के 300 रुपये दिए जाएंगे। विभाग की तरफ से यूनिफॉर्म का कपड़ा खरीदकर दिया जाएगा। गुणवत्ता पर अफसरों की नजर रहेगी।

दिया जाएगा अन्य कार्यों का प्रशिक्षण

महिलाओं को मसाले, तेल, आटा, अचार, डिर्टेजेंट, ज्वेलरी, कपड़े, ऑफिस फाइल, कैंडल, स्टेशनरी आदि सामान बनाने का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। पिऊर उनसे यह उत्पादन बनवाए जाएंगे। इस दौरान शारीरिक दूरी और कोरोना संक्रमण से बचाव के उपायों का पूरा ध्यान रखा जाएगा

सतर्कता ही डेंगू से बचाव है : जिला मलेरिया अधिकारी

गाजियाबाद : विश्व डेंगू दिवस के मौके पर शनिवार को जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें विचार रखा गया कि कोरोना के साथ डेंगू का बचाव इस बार अलग अंदाज में करना होगा। जिला मलेरिया अधिकारी ज्ञानेंद्र मिश्रा ने कहा कि डेंगू की अभी तक कोई वैक्सीन नहीं बन सकी है। इसलिए सतर्कता ही डेंगू से बचाव है। डेंगू मादा एडीज मच्छर के काटने से होता है। डेंगू मश्छर जुलाई से अक्टूबर के बीच पनपते हैं। खासकर मानसून की शुरूआत के साथ ही इसका खतरा शुरू हो जाता है। डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है और केवल दिन के समय काटता है। इस मच्छर के काटने के चार–पांच दिन बाद बुखार के लक्षण दिखने लगते हैं। उन्होंने बताया कोरोना और डेंगू के लक्षण काफी मिलते जुलते हैं। कई डॉक्टरों के अलावा कर्मचारियों ने गोष्ठी में हिस्सा लिया। अर्बन मलेरिया एवं फाइलेरिया कर्मचारी संघ ने शनिवार को डेंगू दिवस मनाया। कर्मचारी संघ के अध यक्ष अनिल शर्मा ने अपनी यूनिट के समस्त कर्मचारियों को कहीं भी पानी इकट्ठा नहीं होने देने की शपथ दिलाई। कर्मचारियों ने संकल्प लिया कि वैक्टर जनित रोगों से बचाव के लिए लिए वे समय–समय पर अपने घर के आसपास साफ–सफाई करते रहेंगे और आसपास रहने वाले लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

कोरोना संक्रमित दो साल की बच्ची का इलाज बना टेंशन

गाजियाबाद : जिले में शुक्रवार को कोरोना संक्रमित पाई गई दो साल की बच्ची का इलाज स्वास्थ्य विभाग के लिए टेंशन बन गया है। बच्ची को उसकी मां के साथ रखा गया है। मां और भी कोरोना संक्रमित हैं, लेकिन उनकी एक रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है। स्वास्थ्य विभाग को डर है कि महिला दुबारा कोरोना संक्रमण की चपेट में आ सकती है। फिलहाल बच्ची को मां के पास राजेंद्र नगर स्थित ईएसआइसी भेज दिया गया है। मसूरी के रफीकाबाद में रहने वाली महिला को दो हफ्ते पूर्व प्रसव के लिए मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई थी। डिलीवरी के बाद नवजात और और फिर महिला की ननद भी संक्रमित पाई गईं, जिसके बाद परिवार के सात लोगों को क्वारंटाइन करा, स्वास्थ्य विभाग ने सभी के सैंपल लिए थे। वहीं मेरठ से बश्चे व महिला को गाजियाबाद शिफ्ट कर दिया गया। शुक्रवार को महिला की दो साल की बच्ची भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई तो स्वास्थ्य विभाग ने बश्ची को तुरंत परिवार के अन्य लोगों से अलग कर संजयनगर कोविड एल–2 अस्पताल में शिफ्ट कर दिया। मगर बच्ची लगातार रो रही थी। उधर, मां भी बच्ची के लिए परेशान हो रही थी। सीएमओ डॉ. एनके गुप्ता का कहना है कि मां की एक रिपोर्ट नेगेटिव आ चुकी है।

फॉर्च्यून रेजीडेंसी में कोरोना योद्धाओं का किया सम्मान

गाजियाबाद : राजनगर एक्सटेंशन की फॉर्च्यून रेजीडेंसी में कोरोना योद्धाओं के सम्मान में सोसायटी में काम करने वाले 80 कोरोना योद्धाओं को खाद्य सामग्री दी गई। इस मौके पर कपिल त्यागी, नीरज विजयवर्गीय, वीरेंद्र त्यागी, धीरज त्यागी, प्रवीण त्यागी, मनोज मालिक, शोभाराम गोठवाल, बृजमोहन पुंडीर, ब्रजेश कुमार व ब्रजमोहन नेगी आदि मौजूद रहे। इसी उपलक्ष्य में सोसायटी की ओर से सभी कोरोना योद्धाओं चिकित्सक, पुलिस–प्रशासन, मीडिया, सफाई कर्मचारी और भारतीय सेना के तीनों अंगों को नमन किया गया। सोसायटी में काम करने वाले मेंटिनेंस, सफाई कर्मचारी व गार्ड आदि का सम्मान किया गया।

UP CM Yogi Adityanath launches app to collect data of migrant labourers

LUCKNOW: To collect data of migrant workers entering the state, the state government on Friday launched a 'Pravasi Rahat Mitra' app. The data will subsequently be used to link workers with the state's welfare schemes, monitor their health and in future link them with job possibilities based on their skills. onal qualification, experience, address, bank account details, Covid-19 screening status and their skills across 65 different works. Details of the ration kits being given to them will also be sought. To ensure there is no duplication of data, it will be registered under a unique mobile number for each person," said an official.

पुलिस लाइंस में अब नहीं होती है परेड, ड्यूटी हाजिरी भी बंद की गई

गाजियाबाद : कोरोना को हराने के लिए पुलिस विभाग ने भी अपनी कार्यप्रणाली में कुछ बदलाव किए हैं। पुलिस विभाग अनुशासन के लिए जाना जाता है और परेड इस अनुशासन का प्रमुख हिस्सा है। मगर वैश्विक महामारी से लडने में पुलिस विभाग ने फिलहाल इस परेड पर रोक लगाई हुई है। साथ ही शाम को ड्यूटी हाजरी भी नहीं लगाई जाती, बल्कि फोन पर ही लाइंस में तैनात पुलिसकर्मियों को ड्यूटी बता दी जाती है। इसके अलावा पुलिस लाइंस में चल रहे पीएसी के प्रशिक्षु सिपाहियों की ट्रेनिंग भी अब क्लासरूम के बजाए ओपन फील्ड में पूरी कराई जा रही है। लाइंस में तैनात पुलिसकर्मियों की हफ्ते में तीन दिन परेड होती है। एसएसपी शुक्रवार को, एसपी लाइंस मंगलवार को और सीओ लाइंस सोमवार को परेड कराते हैं। एसपी लाइंस नीरज कुमार जादौन ने बताया कि लॉकडाउन के पहले दिन से ही परेड बंद करा दी गई थी। इसके साथ ही पुलिस लाइंस परिसर को सील कर सिर्फ एक ही गेट से आवाजाही की जा रही है। लाइंस में 200 से अधिक पीएसी के प्रशिक्षु सिपाहियों की ट्रेनिंग भी रोक दी गई थी। एक माह तक प्रशिक्षण पर रोक रही, लेकिन लॉकडाउन में कुछ छूट मिलने के बाद ट्रेनिंग दुबारा शुरू कराई गई है। हालांकि इस दौरान शारीरिक दूरी का ख्याल रखा जा रहा है। क्लासरूम नहीं खोली गई हैं, सभी प्रशिक्षण लाइंस के ओपन फील्ड में दिया जा रहा है। नीरज कुमार जादौन का कहना है कि लाइंस में अब कम ही पुलिसकर्मी है। अधिकांश को अस्थाई तौर पर फील्ड में तैनाती दी गई है। पहले रोजाना शाम को पुलिस लाइंस में तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी हाजिरी होती है। इसमें उन्हें अपनी ड्यूटी के बारे में आकर पता करना होता है। कोरोना की रोकथाम के लिए अब ड्यूटी के बारे में फोन पर बताया जा रहा है। पुलिस लाइंस को कोरोना मुक्त रखने के लिए यहां सैनिटाइजर प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। लाइंस परिसर में बिना मास्क के किसी को भी आने की इजाजत नहीं है।

जल और दूध भी ज्यादा पीने से हो सकता है डायबिटीज : डॉ.परमेश्वर अरोड़ा

–वेबिनार में सर गंगाराम अस्पताल के वरिष्ठ आयुर्वेदिक सलाहकार डॉ.परमेश्वर अरोड़ा ने डायबिटीज के बारे में लोगों को किया जागरूक

–आरएचएएम, सर गंगाराम अस्पताल, गाजियाबाद भार्गव सभा, मान्यवर कांशीराम महाविद्यालय गाजियाबाद और रोटरी क्लब हुए वेबिनार में शामिल

गाजियाबाद : सर गंगाराम अस्पताल नई दिल्ली के वरिष्ठ आयुर्वेदिक सलाहकार डॉ. परमेश्वर अरोड़ा ने वेबिनार में कहा कि जल और दूध भी ज्यादा पीने से डायबिटीज हो सकता है। यदि हम शारीरिक व्यायाम नहीं करेंगे। जल और दूध भी शरीर की जरूरत के अनुसार ही पीना चाहिए। आयुर्वेद में 20 तरह की डायबिटीज को बताया गया है। यदि इससे बचना है तो खान–पान को कंट्रोल में करें और शारीरिक व्यायाम करें। पहले लोग पुराना अनाज खाते थे। अनाज को धोकर, साफ कर टंकियों में भर देते थे। पूरे दिन मेहनत करते थे, लेकिन अब लोग नया अनाज खा रहे है जिससे डायबिटीज के रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। डायबिटीज रोगी को गुड, चीनी आदि मीठे को बिल्कुल त्याग देना चाहिए। यदि उन्हें मीठा खाना है तो शहद ले सकते है वो भी असली हो तो। मुनख्खा और खजूर भी खा सकते है। मीठी चाय का मन कर रहा है तो मुनख्खे के पानी की चाय पी सकते है। रात में व सूजन होने पर दही बिल्कुल न खाए यह विष का काम करती है।

वेबिनार का आयोजन रविवार को डायबिटीज की रोकथाम को लेकर आरएचएएम (रोटरी हेल्थ अवेयरनेस मिशन), रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ईस्ट एंड, गाजियाबाद हेरिटेज, गाजियाबाद मेट्रो, दिल्ली लिगेसी, गाजियाबाद ग्रीन, रोटरी क्लब ऑफ इंदिरापुरम गैलोर, गाजियाबाद भार्गव सभा, मान्यवर कांशीराम महाविद्यालय गाजियाबाद व सर गंगाराम अस्पताल द्वारा किया गया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी आरटीएन अशोक अग्रवाल ने वेबिनार की ऑपनिंग की तथा समन्वयक की भूमिका रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के चेयरमैन डा.धीरज भार्गव ने निभाई। रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली लिगेसी के चार्टर अध्यक्ष डा.प्रेम माहेश्वरी के सौजन्य से आयोजित वेबिनार में उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया।

डॉ.परमेश्वर अरोड़ा ने डायबिटीज के लक्षण के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में बताया कि हथेली और पैर के तलवे में जलन होना, दांत बार–बार गंदे होना, शरीर में कमजोरीपन आना ये लक्षण बताते है कि शरीर में शुगर कंट्रोल नहीं है। तुरंत आयुर्वेदिक डाक्टर की सलाह लें। खान–पान को कंट्रोल में कर दे और एक्सरसाइज करें। डायबिटीज सिर्फ ब्लड शुगर के लेवल को प्रभावित नहीं करती है बल्कि अगर इसे मैनेज नहीं किया जाए तो, इससे मोटापा, किडनी फेल होना और स्ट्रोक हो सकता है। टाइप 1 डायबिटीज में, बॉडी इंसुलिन प्रोड्यूस नहीं करती। दूसरी ओर, टाइप 2 डायबिटीज में बॉडी इंसुलिन का सही इस्तेमाल नहीं कर पाती है। इसे इंसुलिन रेजिस्टेंस कहा जाता है। डाक्टर अरोड़ा ने लोगों को एक आंवला और हल्दी को बराबर–बराबर मात्रा में मिलाकर सुबह–शाम आधा–आधा चम्मच गर्म पानी से पीने की सलाह दी। हल्दी को मिलाने से पहले उसे घी में फ्राई जरूर करे। इससे हमारी किड़नी को बहुत लाभ होगा। जब हम लीवर, किड़नी, शुगर के रूटीन चैकअप भी कराते है तो उसमें रोग के बारे में पता नहीं चलता, क्योंकि रिपोर्ट में लीवर, किड़नी 70–75 प्रतिशत खराब होने के बाद ही रोग के बारे में पता चलता है। तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। हमें अपनी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना है। सबसे ज्यादा मौतें कोविड–19 में शुगर रोगी की ही हुई है। यदि किसी को एसीडिटी के साथ कफ होता है तो दही बिल्कुल और दालों को बिल्कुल छोड़ दें। आंवला खाए।

इस दौरान डिस्ट्रिक गर्वनर नोमिनी अशोक अग्रवाल, पास्ट डिस्ट्रिक गर्वनर संजय खन्ना, पास्ट डिस्ट्रिक गवर्नर केके गुप्ता, राजेंद्र नागपाल, सुनील गौतम, आलोक, संदीप मिगलानी, प्रेम माहेश्वरी और डॉ.धीरज भार्गव ने भी सवाल पूछे।

वेबिनार में सर गंगाराम अस्पताल नई दिल्ली के वरिष्ठ आयुर्वेदिक सलाहकार डॉ.परमेश्वर अरोड़ा, मान्यवर कांशीराम महाविद्यालय की प्रधानाचार्य प्रो.डा.अर्चना वर्मा, रोटरी स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के चेयरमैन डा.धीरज भार्गव, डिस्ट्रिक गर्वनर नोमिनी अशोक अग्रवाल, पास्ट डिस्ट्रिक गर्वनर संजय खन्ना, पास्ट डिस्ट्रिक गवर्नर केके गुप्ता, संजय रोहिला, खालिद इकबाल, रो.रवींद्र सिंह, राजेंद्र नागपाल, अशोक मलिक, अवलोक, शीतल राय, धवल गुप्ता, अनीता सिंघल, नितिन गुप्ता, बीडी कामरा, प्रदीप कुमार, प्रवीन गोयल, सचिन अग्रवाल, एसके अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, हरीश रजवाड़ा, अजय गुप्ता, प्रेम माहेश्वरी, अजय कुमार, विजय भार्गव, सतपाल जैन, अशोक अहरवाल, निशा माहेश्वरी, राकेश मित्तल, नदीम मजार, संदीप मिगलानी, दीपक गुप्ता, अशोक बजाज, राजीव अजमानी, अशी मित्तल, योगेश गर्ग, सुनील गौतम, सुरेंद्र शर्मा आदि शामिल रहे।

आंधी में गिरे पेड़ , हटाने की मांगी अनुमति

गाजियाबाद : हाल ही में आई आंधी से कई जगहों पर पेड़ गिर गए हैं। सड़कों के अलावा सरकारी कैंपस में गिरे पेड़ों की वजह से आवाजाही प्रभावित हो रही है। जिला चिकित्सालय एमएमजी कैंपस में गिरे दो पेड़ों ने तो आने वाले सैकडों मरीजों की परेशानी बढ़ा दी है। मरीजों के अलावा डॉक्टरों को घूमकर जाना पड़ रहा है। सीएमएस रङ्क्षवद्र राणा ने इस संबंध में वन विभाग को पत्र भेजकर अवगत कराया है और हटवाने का अनुरोध किया है। जानकारी के अनुसार

संजयनगर, लोहिया नगर, कमला नेहरू नगर, कनावनी पुलिया, मेरठ रोड और जीटी रोड पर कई जगह छोटे–बड़े पेड़ आंधी में गिर गए हैं। इनमें कुछ पेड़ नगर निगम के तो कुछ जीडीए के हैं। प्रभागीय निदेश सामाजिक वानिकी दीक्षा भंडारी के मुताबिक गिरे हुए पेड़ जिस विभाग के होंगे वह उन्ही की प्रॉपर्टी है। वे उन्हे वहां हटवाकर दूसरी जगह सुरक्षित रख सकते हैं। बाद में नियमानुसार नीलामी कराई जा सकती है। उनके मुताबिक एमएमजी में गिरे पेड़ों की जांच के बाद सीएमएस को अवगत करा दिया गया है कि वे दूसरी जगह पेड़ों को सुरक्षित रखवा सकते हैं। डीएफओ ने बताया कि जहां कटवाने की जरूरत हैं वहां जांच के बाद पेड़ को वहां से हटवाने के बाद ही अनुमति दी जाती है।

व्यापारी संगठनों ने दुकान खोलने को दिया ऑड–ईवन फार्मूले का सुझाव

गाजियाबाद : कोरोना संकट के चलते लॉकडाउन–4 के तहत स्थानीय बाजारों को ऑड–ईवन फार्मूले के तहत खोले जाने के लिए व्यापारी संगठनों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा है। ऑड दिनों में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक इलेक्ट्रिक गुड्स, इलेक्ट्रोनिक्स, कंप्यूटर, मशीनरी, मोबाइल की दुकान, ऑटोमोबाइल शोरूम, टायर शॉप, ट्रांसपोर्टेशन, मोटर स्पेयर पार्ट्स, ऑटोमोबाइल सर्विस स्टेशन, लोहा मंडी, पाइप मार्केट, मार्बल, टाइल्स, रोड़ी, बदरपुर, सीमेंट, आरा मशीन, बर्तन आदि की दुकानें खोलने का सुझाव दिया है। ईवन दिनों में रेडिमेड, कपड़ा, ज्वैलरी, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, कॉस्मेटिक, डेकोरेशन का सामान, सूटकेस, टेंट हाउस फार्म, पेंट, हैंडलूम, बुक सेलर्स, हौजरी, फुटवियर, गिफ्ट शॉप, आप्टीकल, फ्लोवर डेकोरेशन, टाइपिस्ट, फोटो कॉपी व बैनामा लेखक, प्रिंटिंग प्रेस, जूस की दुकान, जनरल स्टोर, कोल डिपो आदि की दुकानें खोलने का सुझाव दिया है।

EDITORIAL

Local motif: On Modi's call for self-reliance

Prime Minister Narendra Modi's emphasis on Tuesday, on a renewed drive for a self-reliant India is not merely a reaction to the new global realities spawned by the COVID-19 pandemic. It is a throwback to the nationalist economic policies that India and other newly independent nations followed in the last century before the high tide of globalisation swept over. His statement also foretells a potential renewal of the swadeshi economic policies that continue to inspire Hindutva politics long after centrist nationalists have abandoned them. India opened itself to the global market in 1991 through its liberalisation, privatisation and globalisation policies, but remained cautious as it skirted around the whirlwind of international capital in the following decades. This hesitant approach of India often led to a clamour from various vocal quarters for faster and deeper opening of its economy but its relative insularity from disruptive global headwinds turned out to be helpful several times in the last three decades. When Mr. Modi took over as Prime Minister, there was a renewed cry from global corporations and foreign governments for bolder reforms. If anything, he travelled the opposite course — raising fresh trade barriers and seeking to strengthen India's manufacturing base through the 'Make In India' initiative. In doing so, he has been true to his ideological calling and also to his mandates of 2014 and 2019 — which were not sought or won for expanding globalisation. Mr. Modi's politics, in fact, rides on the mobilisation of people dispossessed and alienated by the rumbling march of globalisation by providing them new targets to vent their anger on.

The pandemic brought to the fore at once the limits and inevitability of globalisation. Countries such as the U.S. that relied on others for the supply of essential medicines and medical equipment were suddenly vulnerable. China's unmatched leverage in global supply chains and concerns that it may weaponise trade have prompted a renewed global discussion on the components of national security and how to protect them. At the same time, this pandemic continues to illustrate how inseparably shared is the future of humanity, across national boundaries. Mr. Modi understands this dynamics of global politics and has sought to advance India's interest within an emerging framework. He did not repudiate globalisation, but proposed a new syntax for it — a human-centric one, as opposed to the current profit motivated model, according to him. He placed India at its centre. This is largely rhetorical and might be unmindful of India's limitations. To the extent that such politics brings succour to the disadvantaged, it is to be welcomed. If this is only a facade for majoritarianism or authoritarianism, it will bring more harm to the same people that this approach professes to protect. His supporters and opponents alike would be eager to see how this philosophy translates into policy.

-By Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

गैंगस्टर में वांछित चल रहे दो बदमाशों को पकड़ा

गाजियाबाद : थाना सिहानी गेट पुलिस ने गैंगस्टर में वांछित दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपित कैला देहात निवासी शहजाद और आमिर हैं, जिनके खिलाफ थाना गैंगस्टर की धारा में केस दर्ज किया गया था। दोनों आरोपित विजयनगर क्षेत्र में बीते साल हुई एक चोरी के मामले में जेल गए थे। इसके बाद सिहानी गेट क्षेत्र से तमंचों के साथ गिरफ्तार किए गए थे।

कहासुनी में युवक को मारी ईंट, घायल बोलने में असमर्थ

गाजियाबाद : शराब के नशे में गली में गाली–गलौज को लेकर महिला से कहासुनी के बाद युवक को ईंट मार दी। इस कारण घायल के सिर में क्लॉट जम गया और एक हफ्ते के इलाज के बावजूद अभी तक वह बोलने में असमर्थ है। घटना थाना सिहानी गेट क्षेत्र में पांच मई की है, जिसमें शुक्रवार को पीडित के जीजा की ओर से आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। मेरठ के सरधना निवासी राजीव कुमार ने बताया कि उनका साला नरेश गाजियाबाद के हरवंश नगर में परिवार के साथ रहता है। पांच मई की शाम साढ़े चार बजे नरेश घर लौट रहा था। राजीव के मुताबिक उसने कुछ दोस्तों के साथ शराब पी ली थी। रास्ते में एक युवक मिला तो उससे राजीव उससे बात करने लगा। इसी दौरान पास से पड़ोस में रहने वाली महिला गुजरी तो उसने नरेश पर गाली–गलौज का आरोप लगाया। इस पर दोनों में कहासुनी हुई, लेकिन फिर दोनों घर को लौट गए। नरेश घर जाकर छत पर चला गया, जिसके बाद महिला का भतीजा भी अन्नू उर्फ ढोंचू अपनी छत पर पहुंचा। आरोप है कि अन्नू ने अपनी छत से नरेश को ईंट फेक कर मारी। एक ईंट नरेश के पैर के निचले हिस्से में लगी और दूसरी सिर में। वहीं घर वालों ने नरेश को शराब के नशे में सोचकर लिटा दिया। मगर दो दिन तक जब नरेश को होश नहीं आया तो राजीव को सूचना दी। एसएचओ ने बताया कि आरोपों के आधार पर केस की छानबीन की जा रही है।

126 करोड़ से बने विद्युत उपकेंद्र का ई–लोकार्पण 19 मई को होगा

गाजियाबाद : शहर के प्रताप विहार में करीब 126 करोड़ की लागत से बने 200 केवी एमवीए के विद्युत उपकेंद्र का ई–लोकार्पण 19 मई को होगा। विगत वर्ष 2018 में राज्यमंत्री अतुल गर्ग के निर्देश पर प्रतिनिधि अजय राजपूत ने विद्युत उपकेंद्र बनाने के लिए विद्युत निगम के समक्ष बात रखी थी। अब यह उपकेंद्र बनकर तैयार हो गया है। इसे बनाने में 126 करोड़ रुपये लागत आई है। इसके चालू होने से जनता को विद्युत कटौती और ओवरलोड जैसी समस्याओं से निजात मिलेगी। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा के निर्देशन में ऊर्जा राज्यमंत्री रमाशंकर सिंह पटेल, केंद्रीय राज्यमंत्री जरनल वीके सिंह व राज्यमंत्री अतुल गर्ग की उपस्थिति में विद्युत उपकेंद्र का ई–लोकार्पण किया जाएगा।

ऑनलाइन वेबिनार में दी विद्यार्थियों को जानकारी

गाजियाबाद : आइएसएस यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस के मैनेजमेंट विभाग की ओर से शनिवार को ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय कोविड–19 एंड फिनेंशियल सर्विसेज चुनौती और अवसर रहा। मुख्य वक्ता के रूप में स्ट्रेटेजिक प्रोजेक्ट रेयाना टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दिवाकर राजशेखरन, डीजी एजेंसी ब्रोकर मैनेजमेंट हेड रोहन इंदुल्कर, मिराई एसेट इंवेस्टमेंट मैनेजर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हेड उमेश कुमार दाइला ने कोविड महामारी के दौर में चुनौतियों और अवसर के बारे में अपने विचार साझा किए। उपस्थित छात्र–छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां दी। वेबीनार की शुरूआत बीबीए डिपार्टमेंट हेड एवं वेबिनार संयोजक डॉ. गीता शर्मा ने की।

वर्चुअल क्लास ग्रुप में फीस भुगतान रसीद की फोटो डालकर विद्यालय बना रहे दबाव

गाजियाबाद : सभी विद्यालयों की ओर से वर्चुअल क्लास चलाई जा रही हैं। इसके लिए व्हॉट्सएप ग्रुप बनाए गए हैं। कई अभिभावकों ने शिकायत की है कि लॉकडाउन में जिन अभिभावकों ने फीस जमा कर दी है, विद्यालय उनकी भुगतान रसीदों की फोटो वर्चुअल क्लास ग्रुप पर डाल रहे हैं। आरोप है कि फीस अदा न कराने वाले अभिभावकों पर दबाव बनाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। जिला विद्यालय निरीक्षक रविदत्त शर्मा ने चेतावनी दी है कि कोई भी विद्यालय इस तरह की हरकत नहीं करेगा। इस तरह से दबाव डालने वाले विद्यालयों पर कार्रवाई की जाएगी। अभिभावकों का कहना है कि विद्यायलों की इस हरकत से उनके बच्चों में हीन भावना आ रही है। उन्हें लग रहा है कि दूसरे बच्चों के माता–पिता ने फीस जमा कर दी, लेकिन उनके अभिभावक अभी फीस जमा नहीं कर पाए। इससे बच्चों की मानसिक स्थिति पर प्रभाव पड़ रहा है। फीस जमा न कर पाने वाले अभिभावकों का कहना है कि कुछ अभिभावक तो खुद भी फीस जमा करके रसीदें ग्रुप पर डाल रहे हैं, जोकि गलत है। जिला विद्यालय निरीक्षक रवि दत्त शर्मा का कहना है कि वर्चअल क्लास के लिए बनाए गए ग्रुप पर कोई भी विद्यालय फीस भुगतान स्लिप की फोटो डालकर अभिभावकों पर दबाव नहीं बना सकेगा। ऐसा करने वाले विद्यालयों पर कार्रवाई की जाएगी। अभिभावकों से भी अपील है कि उन्होंने फीस जमा कर दी है तो रसीद की फोटो ग्रुप पर न डालें। इससे दूसरे बच्चों पर प्रभाव पड़ता है।

शिक्षकों की अनुपस्थिति से हो रही मूल्यांकन कार्य में देरी

गाजियाबाद : शिक्षकों की अनुपस्थिति से यूपी बोर्ड परीक्षा उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन कार्य में देरी हो रही है। करीब पचास फीसद शिक्षक अनुपस्थित चल रहे हैं। लॉकडाउन में करीब आधे शिक्षक तो कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए अपने मूल निवास पहुंच गए। इससे अब मूल्यांकन केंद्रों पर शिक्षकों की भारी कमी हो गई है। अब तक करीब 50 फीसद मूल्यांकन कार्य ही पूरा हो सका है। जिले में दो केंद्रों शंभु दयाल इंटर कॉलेज और सनातन धर्म इंटर कॉलेज में यूपी बोर्ड परीक्षा उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन कार्य चल रहा है। जिल में करीब तीन लाख उत्तर पुस्तिकाएं जांचने के लिए कुल 1345 शिक्षकों को नामित किया गया था। इनमें भी अब सात सौ से आठ के बीच ही शिक्षक केंद्र पर मूल्यांकन कार्य में शामिल हो रहे हैं। अभी दोनों केंद्रों पर मूल्यांकन का आधा ही कार्य हो पाया है। जिला विद्यालय निरीक्षक के आदेश के बावजूद दोनों ही केंद्रों पर शिक्षकों की उपस्थिति नहीं बढ़ पा रही है। ऐसे में मूल्यांकन कार्य में देरी हो रही है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने शिक्षकों को सख्त आदेश दिए हैं कि मूल्यांकन कार्य के लिए जितने भी शिक्षक नामित हैं, उतने ही केंद्रों पर भी मौजूद रहने चाहिए। इसके लिए शिक्षकों और विद्यालयों को नोटिस भी जारी किया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक रवि दत्त शर्मा का कहना है कि अनुपस्थित शिक्षकों को नोटिस भेज कर बुलाया जा रहा है। उम्मीद है वह आ जाएंगे। फिर मूल्यांकन कार्य तेजी से होगा।

केडब्लू सृष्टि सोसायटी के लोगों ने किया हंगामा

गाजियाबाद : राजनगर एक्सटेंशन की केडब्लू सृष्टि सोसायटी के लोगों ने शनिवार को हंगामा किया। लोगों का कहना है कि कहने को सोसायटी एक पखवाड़े से सील है। लेकिन निगरानी न होने के कारण लोगों का आवागमन जारी है। वो फ्लैट मालिक भी खुलेआम घूम रहे हैं, जिनको क्वारंटाइजन कर उनका सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। लोगों की मांग है कि सोसायटी को लेकर स्पष्ट निर्णय लिया जाए। सील करनी है तो उसका पालन कराया जाए। अन्यथा इसके खोल दिया जाए। हंगामा करने वाले लोगों का कहना है कि एक कोरोना संक्रमित व्यक्ति

मिलने पर दो मई को सोसायटी को सील किया गया था। इसके अलावा हाल ही में दो लोगों को क्वारंटाइन करते हुए उनके सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं, जिनकी रिपोर्ट आना अभी बाकी है। लोगों का कहना है कि सोसायटी में लोगों का बेरोकटोक आवागमन जारी है। वहीं, सोसायटी सील होने के बावजूद गार्ड बाहर से आकर अपनी ड्यूटी बदलते रहे, लेकिन सुरक्षा का कोई ख्याल नहीं रखा गया। जिन दो लोगों को क्वारंटाइन किया गया, वह खुलेआम सोसायटी में घूमने के साथ ही लोगों से मिलजुल रहे हैं। लोगों का कहना है कि सोसायटी को या तो पूरी तरह से सील किया जाए या फिर पूरी तरह खोली जाए। यहां रहने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता संजय कुमार का कहना है कि इसे लेकर पुलिस प्रशासन गंभीर नहीं रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा–बुझाकर शांत किया। इस मौके पर विनीत सिंह, पारुल श्रीवास्तव, धर्मप्रकाश श्रीवास्तव, स्वर्ण सिंह व शैलेंद्र आदि मौजूद रहे।

मोहल्ले के उत्पातियों पर पार्षद ने कराई एफआइआर

गाजियाबाद : थाना सिहानी गेट में शुक्रवार को नगर निगम के मनोनीत पार्षद राकेश त्यागी ने हरवंश नगर में रहने वाले तीन युवकों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई है। आरोप है कि तीनों खुले में शराब पीकर आते–जाते लोगों से गाली–गलौज करते हैं। विरोध पर मारपीट और लूटपाट कर लेते हैं। पार्षद ने आरोप लगाया कि जब वह शिकायत लेकर पहुंचे तो थाना मुंसी ने उनसे अभद्रता कर गाली–गलौज की। हालांकि बाद में आलाधिकारियों के मामला संज्ञान में आने पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। हरवंश नगर निवासी मनोनीत पार्षद राकेश त्यागी का कहना है कि मोहल्ले में रहने वाले सचिन, नरेश व उनका एक साथी बीते कई दिन से उत्पात कर रहे हैं। आरोप है कि तीनों कहीं भी खड़े होकर शराब पीने लगते हैं। राह चलते लोगों पर छींटाकशी करते हैं। यदि कोई विरोध करता है तो उससे मारपीट करते हैं। आरोप है झगड़े के दौरान आरोपितों ने कई लोगों से से लूटपाट भी कर ली। पार्षद के मुताबिक परेशान लोगों ने उनसे संपर्क किया तो वह शुक्रवार को चौकी पहुंचे तो दारोगा ने उन्हें मुकदमा कराने की सलाह दी। थाने में शिकायत लेकर पहुंचा तो मुंशी ने अभद्र भाषा में बात की। आरोप है कि मुंशी ने गाली–गलौज भी की। एसएचओ गजेंद्र पाल सिंह का कहना है कि मुंशी व पार्षद में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी।

Ghaziabad retracts advisory to doctors after meet with IMA

GHAZIABAD: The Ghaziabad health department on Friday withdrew its advisory asking the city's doctors and paramedical staff who work in Delhi hospitals to stay back in the national capital for the time being. The housing society in Vaishali, which, too, had decided to ban the entry of such doctors following the April 30 notice, retracted its order. The move followed a meeting between representatives of the Indian Medical Association (IMA) and the district authorities to resolve the controversy that had erupted over the advisory. Although the advisory had been issued on April 30, it triggered a row earlier this week when the Ghaziabad municipal corporation asked residents' associations to publicise it. On Friday, the health department told IMA officials that it was only an advisory and not binding on anyone. District magistrate Ajay Shankar Pandey sought to downplay the controversy, saying "the chief medical officer, GMC municipal commissioner and the residents' association have issued their clarification letters on the matter. The IMA is satisfied with it." An IMA statement said the Ghaziabad administration had admitted it was a "mistake" to issue the advisory. "The administration regretted the mistake and also withdrew the advisory. They believed that it was wrong and it would not happen in future. Officials also thanked the paramedical staff for their work in the fight against coronavirus," the statement read.

छह माह समय विस्तार के लिए यूपी–रेरा के आदेश का इंतजार

गाजियाबाद : बिल्डरों को यूपी–रेरा के आदेश का इंतजार है। केंद्र सरकार ने सुझाव दिया है कि रियल एस्टेट के प्रोजेक्टों को पूर्ण करने की अवधि में छह माह का विस्तार दे दिया जाए। जिले में 347 हाउसिंग और कॉमर्शियल प्रोजेक्ट पंजीकृत हैं। 326 प्रोजेक्ट ऐसे हैं, जिनकी पूर्णता (कंप्लीशन) तिथि 25 मार्च और उसके बाद है। क्रेडाई की तरफ से केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री को पत्र भेज प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए समय विस्तार की मांग की गई थी। पिछले दिनों केंद्रीय वित्त मंत्री ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत रियल एस्टेट की परेशानी को समझते हुए रेरा को सुझाव दिया था कि वह प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए छह माह का विस्तार दें। इस पर अब तक यूपी–रेरा ने कोई आदेश जारी नहीं किया गया। जब तक यूपी–रेरा आदेश जारी नहीं करता यह लागू नहीं होगा। क्रेडाई गाजियाबाद के पदाधिकारियों का कहना है कि इस पर यूपी–रेरा को जल्द निर्णय लेना चाहिए।

As trains start, questions arise on NCR border curbs, RWA bars

NOIDA/GHAZIABAD: Layers of restrictions on movement and the heterogeneity of rules that are in place in various parts of Delhi-NCR have left many in a state of confusion about whether they will be allowed to cross the border if they book a train seat, even though the Centre has clarified that the confirmed ticket will be treated as a pass. But since Noida has been deciding its own restrictions despite central guidelines -- like issuing its own movement passes and invalidating all others, and 'sealing' the border – residents took to social media on Tuesday to ask if they could be assured about reaching the railway station in Delhi without facing various hurdles. The railways resumed limited commercial train operations from Delhi on Tuesday. Another question many asked was whether people would be allowed to enter homes or societies that are part of containment zones in Noida and Ghaziabad because of the restrictions that RWAs have imposed on guests and "outsiders". Rajiva Singh, president of the RWA body, NOFAA, said the Noida administration needed to clear the air, so that residents did not face harassment because of arbitrary interpretation of rules. "Noida does not have a railway station and people here use the Delhi station for commuting. Since the trains have started, there should be a relaxation on movement based on tickets for commuters. Within societies as well, most RWAS should not have a problem letting people into their own homes with all requisite precaution, but we don't know what would be the norms for containment zones. The administration should make these things clear for us," he said. The administrations in both cities have said that people with confirmed tickets will face no hurdle. However, movement of people in and out of containment zones remains a grey area. Additionally, with no public transport, except a few cabs in Ghaziabad, available during the lockdown, those planning to travel will need someone to drop them to the station and return in a private vehicle. What about the person driving that vehicle? Will she or he be allowed? "We will allow movement of people to catch a train and will treat the confirmed ticket as a pass. One additional person will be allowed to drop the travellers and return," said Noida district magistrate Suhas LY.

Man 'hires' duo to kill wife, held

GHAZIABAD: A man was arrested on Tuesday for allegedly hiring two youths to kill his wife. Divya Rana (33), a resident of Yamuna Vihar Colony, in Loni, was pursuing an LLB degree from an open University. She also worked as a property dealer, along with her husband Saleem. The couple worked in Ghaziabad as well as in Delhi. Police said that Saleem hired two people for Rs 2 lakhs and asked them to kill Divya. Bijendra Singh Bhadana, SHO, Loni police station, told TBC that a few days back, one of youths met Divya posing as a customer and showed interest in a property at Loni. "On Tuesday, Divya, Saleem and Sanjeev, one of the contract killers, were supposed to see the property in Chirori village. They were travelling in a car and Divya was driving," he said. "When the car reached Chirori, Sanjeev fired at Divya twice. Saleem, however, told the police that some people stopped their car and fired shots at them. Saleem and Sanjeev also took Divya to a hospital where doctors pronounced her dead," the SHO said. Cops found irregularities in Saleem's statement and later, he allegedly confessed to the crime.

Two more who helped Covid patient reach hospital test positive

GHAZIABAD: Four persons, including two from Khoda — one of the major containment zones in the district, tested positive for Covid-19 on Tuesday. The total number of cases in Ghaziabad now stands at 141. Officials said that the two Khoda residents were in the chain of contact of a 47-year-old man, who had died at a Noida hospital on May 3. The duo lives in the same building where the deceased used to stay. So far, six people who assisted the man to a Noida hospital have tested positive. Two of them are admitted in Greater Noida, while four were in a quarantine facility here in Ghaziabad. After the man's death in Noida, Ghaziabad health department had collected samples of 150 people including the landlord of the building and sent them for examination. Out of them, four have been found positive. Meanwhile, two other persons — a 29-year-old man from Jhandapur and a 16-year-old boy from Vaishali Sector 5 — who also came in contact with positive patients have been in quarantine at RKGIT for past few days. All the new patients have been shifted to ESIC Hospital in Sahibabad.

On Noida-Ghaziabad border, cops from both sides clash over shuttling of migrants

NOIDA/GHAZIABAD: In a major face-off between the Gautam Budh Nagar and Ghaziabad police and authorities, around 150 labourers, who were allegedly travelling towards Madhya Pradesh, Bihar and parts of eastern Uttar Pradesh were shuffled at least twice by the cops from both areas via the Tigri border. There was much drama on the Tigri border which touches the Bisrakh police station area in Gautam Budh Nagar and Vijay Nagar police station area of Ghaziabad for over two hours as the trucks with the labourers seated in them, remained stranded at the border. The incident comes two days after videos of migrants had surfaced where they alleged that GB Nagar police had been trying to shift migrants caught by them to Ghaziabad area by stuffing them in trucks. The bone of contention was around 150 labourers – some from Delhi, Ghaziabad and Noida- who had been walking towards Surajpur and Pari Chowk areas in order to reach their home districts in Madhya Pradesh, Bihar and eastern UP. According to eye-witnesses, Gautam Budh Nagar police allegedly picked them up and put them in four trucks which entered the Vijay Nagar area around 3pm. Migrants alleged that they were picked up by the police around 10am and asked about where they had been walking towards. "Cops picked up from near the Pari Chowk area and asked where we were headed. When we told them that we want to return to Sagar district in Madhya Pradesh, they did not allow us to move," one of the migrants said. Another migrant said they were put in the trucks and told that they would be dropped till Madhya Pradesh. However, as soon as the trucks entered Ghaziabad's Vijay Nagar area, they were noticed by the staff of SDM (Sadar) Prashant Tiwari who directed that the trucks be made to return towards Gautam Budh Nagar which the cops of the Bisrakh police station resisted. "The trucks were made to pass through the check post after breaking the barricades of the Noida police at Tigri. Upon this, the Bisrakh cops informed the seniors and a team led by the Bisrakh SHO arrived on the spot," a senior officer told TBC. However, the Bisrakh police did not allow entry of the trucks from the gate to Greater Noida where multiple barricades were placed. Soon after, police officers of the Bisrakh police too arrived at the spot and heated arguments ensued between officers of the GB Nagar and Ghaziabad police. "They are crossing your side and entering ours, so we are not allowing this," a Ghaziabad police sub inspector can be heard saying to an officer of Bisrakh police in a video.

हेल्प लाईन नंबर

गाजियाबाद प्रशासन

डीएम – 2824416
आवास – 2820106
एडीएम (सिटी) – 2828411
एडीएम (प्रशासन) – 2827016
सिटी मजिस्ट्रेट – 2827365
आयकर विभाग– 2714144
पासपोर्ट कार्यालय– 2721779

पुलिस अधिकारी

एसएसपी –2820758,9643322900
पुलिस अधीक्षक नगर–2854015
पुलिसअधी. यातायात–2829520
सीओ प्रथम– 2733070
सीओ द्वितीय – 2791769
सीओ एलआईयू– 2700925
सीओ लोनी– 3125539

जीडीए

उपाध्यक्ष जीडीए – 2791114
जीडीए सचिव – 2790891

अस्पताल

सी.एम.ओ. – 2710754
सी.एम.एस. – 2730038
आपातकालीन – 2850124
कोलम्बिया एशिया –3989896
यशोदा अस्पताल–2750001–04
गणेश अस्पताल –4183900
संतोष अस्पताल –2741777
सर्वोदय अस्पताल –2701694
नरेन्द्र मोहन अस्पताल 2735253
जिला अस्पताल(एम्बुलेंस) 2730038
यशोदा अस्पताल (एम्बुलेंस) 2701695
पुष्पांजली क्रांसले हॉस्पिटल 4188000
पुष्पांजली मेडिकल सेन्टर 43075600

बीएसएनएल

जीएम 2755777

अग्निशमन विभाग

नगर कन्ट्रोल रूम – 2734906
कोतवाली – 2732099
जिला कन्ट्रोल रूम –2766898

पुलिस स्टेशन

एसएचओ इंदिरापुरम– –9643322921
एसएचओ खोड़ा– –9643322922
एसएचओ–साहिबाबाद– – 9643322923
एसएचओ लिंक रोड– –9643322924
कोतवाली – 2732088
सिहानी गेट – 2791627
कविनगर – 2711843
विजयनगर – 2740797
इंदिरापुरम – 2902858
लोनी – 2600097
अग्निशमन विभाग –2732099 9818702101
रेलवे इन्कवायरी –131

नगर निगम

नगरायुक्त– 2790425,2713580

विद्युत विभाग

मुख्य अभियंता – 2821025

पूछताछ

रेलवे कस्टमर –2797840, 139
रिजर्वेशन – 8888
रोडवेज इन्कवायरी –2791102

प्रेस विज्ञप्ति, समाचार, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
Phone No.: 0120-4561000

GZB condominium gets notice over threat to snap power, water supply

GHAZIABAD: River Heights, the Rajnagar Extension society that had threatened to impose a fine of Rs 11,000 and cut water and power supply of residents who bring in outsiders, was slapped notices by the district magistrate and Ghaziabad Development Authority (GDA) on Monday. Both notices sought to know under what rule the apartment owners' association (AoA) had issued the order for its residents and why action should not be taken against it. A notice pasted on the River Heights premises on Friday has stoked controversy after it asked residents not to bring in outsiders and threatened to cut the power and water supply of those who did not follow the order. It also said the power-water supplies would be snapped until a resident did not submit a Rs 11,000 fine. On Monday, DM Ajay Shankar Pandey said he had written to the registrar of firms, societies and chits, asking about the legality of the order passed by the residents' body and what action should be taken against it. Pandey added he was also exploring legal options in the matter. The GDA notice, too, asked members of the AoA why action should not be taken against it under the Disaster Management Act and Epidemic Act. The AoA president has been given time till 3pm on Wednesday to come with a response. "A sense of fear has spread among residents after the issuance of such an order… If you (AoA) don't submit your report in the stipulated time, one-sided action will be taken in the matter," the letter, issued by GDA's officer on special duty, Sanjay Kumar, read. The AoA, however, stood by its decision. Terming it a "conspiracy with a vested interest", the River Heights AoA has now asked residents to send their votes either on WhatsApp or through a letter addressed to the AoA office by 6pm on Wednesday.

HC rejects Yadav Singh's plea for release from prison

LUCKNOW: The Lucknow bench of Allahabad high court has dismissed a habeas corpus petition moved on behalf of former Noida chief engineer Yadav Singh, who sought release from prison on the plea that his maximum 60-day custody period had expired. A bench of Justices P K Jaiswal and K S Pawar passed the order on the petition filed by his son, Sunny Yadav on May 6. Yadav pleaded that a CBI court in Ghaziabad remanded him in judicial custody on February 20, 2020, for offences in which maximum custody was 60 days. Since the period expired on April 20, his custody was illegal and he should be released, the petition stated. Opposing the plea, CBI counsel said, the petition was not maintainable as Ghaziabad fell in the jurisdiction of Allahabad high court and not the Lucknow bench. Singh was arrested in a two-year-old corruption case for allegedly accepting kickbacks for awarding projects worth Rs 116.39 crore to private companies during his tenure. There are two other corruption cases against him for which he's also in jail.

GZB asks factories to submit plan for gas leaks

GHAZIABAD: In the wake of the gas leak at a Visakhapatnam plant, the Ghaziabad administration has directed all industries involved in large-scale production and storage of chemicals to submit a contingency plan. The industries department has also been told to come up with a list of such factories and conduct an inspection, especially of units that have remained closed during the lockdown. "Ghaziabad has many industries that use, produce or store chemicals in large quantities. Many of these industries had been closed due to the lockdown.

Buses take 3,000 from Bihar and Odisha home

GHAZIABAD: From Tuesday evening, UP Roadways has rolled out 137 buses in a mega operation to ferry around 3,000 migrant labourers to their home states. These labourers, who are mostly from Bihar and Odisha, had set out on foot for their homes, were intercepted in Ghaziabad by the administration and placed in camps during the lockdown. "From 6pm on Tuesday till 8am on Wednesday, more than 3,000 labourers, mostly from Bihar and Odisha, were brought to Kaushambi depot from where they boarded 137 buses that we had kept ready for transporting them to Bihar and Odisha," said AK Singh, the ARM, UP Roadways. The UP Roadways were intimated earlier to arrange for the buses. Jogeshwar Mandal, a labourer from Bihar who was in one of the buses, said, "I had started for my home in Bihar's Munger district from Nangloi on foot but was detained in Ghaziabad. Along with some other labourers, I was put in a truck and sent to a camp in Loni." Mandal added that they were screened before they boarded the buses. Another migrant worker who was engaged in a factory in Haryana's Sonipat, said that three days ago, he was picked from Morta in Ghaziabad while he was walking back to his home in Purnia, Bihar. "Food was scarce and we were running out of money. That is why, we decided to set out on foot," said Munna. An official from district administration said that more than 4,500 labourers from Ghaziabad and elsewhere were provided accommodation in shelter homes and community centres across the district. "There several were labourers who had taken railtrack route and the highway route, aware of the exodus that was taking place via Ghaziabad. We stopped them and brought back to the shelter homes. It was tough convincing them that efforts are being made to send them back," said the official.

Condo opens gates for tired migrants

GHAZIABAD: A group of migrant workers was given food and shelter for over five hours at Amrapali Village , a housing society in Indirapuram, on Saturday. The 32 workers, who had crossed the Ghaziabad-Delhi border, were headed to their hometowns in UP and Bihar when they sat outside the boundary wall of the society to take rest. The guards told them to leave, but they sought 10 more minutes. A few society residents saw the plight of the workers and came out with food and water. AOA chief Deepak Sharma said: "Some of these people had been walking from Haryana and Punjab.

After two in bank test positive, 15 quarantined

GHAZIABAD: Four people tested positive for Covid-19 in Ghaziabad on Sunday. The district has 137 cases now, of which 51 are active. On Sunday, 15 employees of Allahabad Bank's Navyug Market branch were sent to quarantine after two employees tested positive in the past few days. Officials said a woman employee from Delhi had tested positive four days back, while an office boy from Chaupala was tested positive on Sunday. He was admitted to ESIC Hospital in Sahibabad. Meanwhile, a youth from Bhowapur, a woman residing in Vaishali and a woman from Vijay Nagar also tested positive. All three were in the chain of contact of Covid-19 positive patients. Moreover, a women constable of Delhi Police from Dasna has also been confirmed to be infected and has been admitted to ESIC Hospital in Sahibabad. Officials said the constable was examined in Delhi and has been listed there, so it will not be added to Ghaziabad's tally. On Sunday, eight patients admitted to ESI hospital were discharged after their second tests came negative.

With 15 cases and a death, Khoda emerges as a hotspot

GHAZIABAD: With 15 Covid cases so far, the densely populated Khoda, one of India's largest illegal colonies on the Delhi-Ghaziabad border off NH-9, has worryingly begun to emerge as a hotspot. Fearing a community transmission, officials in the health department and the World Health Oranisation have devised a containment plan for the area, which is spread across 5sqkm and has a population of around 5 lakh. But cluster containment would be easier said than done for various reasons.

Migrant workers, returning on foot to native places in UP-Bihar, stopped by Ghaziabad Police

GHAZIABAD: Many migrant workers were stopped by Ghaziabad Police on Sunday while they were travelling on foot along the National Highway-9 to their respective places in UP and Bihar. The migrant workers who were travelling from Delhi to their home states claimed that no train and bus services have been started for them. One of the migrant workers, Suresh, told ANI, "We used to live in Delhi's Madawali and have to reach Azamgarh. We are finally forced to walk all the way because whatever cash we had is now over. What will we eat now? People are saying buses are available from Ghaziabad, we will go and see. Police are not letting us go, even hit us with the baton." Another migrant, Anil Shah said, "We have nothing to eat, we had to leave. The landlord is asking for rent, what option were we left with." Another migrant worker who too wants to go to his native place in Uttar Pradesh, said, "We even have to pay for water, it has been more than 2 months here now. What do we do? We cannot take it anymore and that is why we want to go home. This comes in the backdrop of the ministry of home affairs recent order allowing the stranded people to reach their native states, and several states arranging trains for those stuck in other states due to lockdown.

आइआईटी दिल्ली ने बनाया आरओबी का डिजाइन, दूसरे चरण में चिपियाना में बनना है आरओबी

गाजियाबाद : दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे के दूसरे चरण में चिपियाना रेलवे लाइन पर बनने वाले आरओबी का डिजाइन आइआईटी दिल्ली द्वारा तैयार कर दिया गया है। इस डिजाइन को अंतिम अनुमति के लिए रेल मंत्रालय को भेजा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने डिजाइन की मंजूरी के साथ रेलवे ट्रैक के ऊपर आरओबी के हिस्से के निर्माण के लिए रेलवे से ब्लॉक भी मांगा हैं। एनएचएआइ द्वारा बनाए जा रहे दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे के दूसरे चरण का काम मार्च में ही 70 फीसद पूरा हो गया था, लेकिन लॉकडाउन के चलते काम ब्रेक हो गया था। कुछ दिन पहले पांच सौ मजदूरों का इंतजाम करके काम शुरू किया गया है। चिपियाना आरओबी के फाउडेंशन निर्माण की ही अनुमति रेलवे द्वारा दी गई है। दूसरे चरण में 14 लेन चौड़े एवं 19.38 किलोमीटर लंबे हिस्से में आठ लेन हाइवे और 6 लेन एक्सप्रेस वे का निर्माण किया जा रहा है। इसकी लागत 1989 करोड़ रुपये है। 6 नवंबर 2017 को काम शुरु हुआ और 4 मई 2020 को पूरा किए जाने का लक्ष्य है था लेकिन अब तीन महीने और कार्य पूरा होने में लग सकते हैं। एनएचएआइ के डीजीएम मुदित गर्ग ने बताया कि चिपियाना आरओबी का डिजाइन आइआईटी दिल्ली द्वारा बनाया गया है। इसकी अनुमति रेलवे मंत्रालय से मांगी गई है। डिजाइन फरवरी में बनाने को दिया गया था। ब्लॉक की अनुमति भी मांगी गई है।

1200 प्रवासी मजदूरों को लेकर ट्रेन अररिया रवाना

गाजियाबाद : श्रमिक स्पेशल ट्रेन शनिवार शाम को 1200 प्रवासी मजदूरों को लेकर गाजियाबाद से अररिया रवाना हुई। इस दौरान मजदूरों ने शारीरिक दूरी का पालन किया। लेकिन सुरक्षाकर्मी खुद शारीरिक दूरी का पालन करना भूल गए। सुरक्षाकर्मी प्लेटफार्म पर एक साथ झुंड बनाकर एक दूसरे से बात करते हुए नजर आए। गाजियाबाद से बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर अपने घर लौट रहे हैं। शुक्रवार को ट्रेन से 1430 मजदूरों को बिहार के मुजफ्फरपुर भेजा गया था। इसके बावजूद बड़ी संख्या में मजदूर घंटाघर रामलीला मैदान में रुके हुए थे। इन मजदूरों को यहां पर शारीरिक दूरी के साथ रखा गया था। प्रशासन ने इनके लिए खाने की व्यवस्था की। प्रशासन की तरफ से रेल मंत्रालय से मजदूरों के लिए ट्रेन चलाने की मांग की थी। केंद्र सरकार की हरी झंडी मिलने के बाद शनिवार को दूसरी श्रमिक स्पेशल ट्रेन गाजियाबाद से अररिया के लिए चलाई गई। शाम को सात बजे ट्रेन रवाना हुई। शारीरिक दूरी को ख्याल रख एक–एक यात्री को थर्मल स्कैनिंग के बाद ट्रेन में चढ़ाया गया। यात्रियों से कोई किराया नहीं लिया गया। इसमें 14 जनरल कोच और छह स्लीपर कोच थे। स्टेशन अधीक्षक कुलदीप त्यागी ने बताया कि सभी को सुरक्षित तरीके से ट्रेन बैठाया गया है। उन्होंने बताया कि साढ़े चार बजे से मजदूर आकर बैठने लगे थे। शारीरिक दूरी बनाने के लिए सड़क पर गोले बनाए गए हैं। सोमवार को पूर्णिया के लिए ट्रेन चल सकती है। मगर जिनका टिकट हो गया है, उन्हीं लोगों को भेजा जाएगा।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargav at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor : Manisha Bhargava** Email: editor@tbam.co.in **(RNI. No) : UPBIL / 2009 / 28691 Postal Registration No. UP/GBD-80/2016- 18.** Advertisement : Ph. No. : 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at 67, 1st Floor, Richpal Puri, Hapur Road, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Reproduction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.